सीएसए में आईसीएआर के सहायक महानिदेशक ने छात्र,छात्राओं एवं संकाय सदस्यों के साथ किया संवाद

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

संजय मौर्य चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार यादव ने बताया कि आज डा0 संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक, तिलहन, दलहन एवं बीज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग में एक शोध छात्रा की ओरल काम्प्रेसिव परीक्षा लेने के बाद विश्वविद्यालय के समस्त परास्नातक एवं शोध छात्रों के साथ कृषि संकाय के संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षो, अधिष्ठाताओं के साथ परिचर्चा में कृषि क्षेत्र में की जा रही विभिन्न प्रकार की नमोन्मेशी योजनाओं के साथ कृषि के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे उत्पादन एवं उनके लिए किये गये अनुसंधान कार्यों के बारे संवाद किया। डा0 संजीव गुप्ता जो देश के जाने माने दलहन के वैज्ञानिक भी हैं के द्वारा कृषि क्षेत्र में डिजिटलाईजेशन, ए0आई0, ऊर्जा के नए स्त्रोत, जीन एडिटिंग आदि क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। अभी हाल ही में जिनोम एडिटिग द्वारा धान की 02 प्रजातियों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित किया गया है। इस तकनीकी द्वारा धान की प्रजाति विकसित करने वाला भारत प्रथम देश बन गया है। जिनोम एडिटिंग द्वारा धान की डी0आर0आर0 100 कमला जो सांवा महसूरी प्रजाति के जिनोम में परिवर्तन कर विकसित की गयी है। यह प्रजाति इस विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई डा0 सतेन्द्र जो भारतीय चावल अनुसंधान हैदराबाद में कार्य कर रहे है। के द्वारा विकसित किया है। यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। शोध छात्रो एवं संकाय संदस्यो को इसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस प्रजाति से अपनी मात्र प्रजाति सावा महसूरी से 19 प्रतिशत अधिक उत्पादन एवं 15 दिन कम में पककर तैयार हो जाने के कारण इससे गेहूँ-धान फसल चक्र की उत्पाद[illegible] की सम्भावना अच्छी है।

अकादामक सहयाग प्रकाष्ठ क डान प्रा. सुधाशु एसासएट डान डाक्टर राजाव मिश्रा का (बाग्लादश), अश सिंह राजपूत (नपाल), काय करन का सकल्प लिया गया।

सीएसए में आईसीएआर के सहायक महानिदेशक ने छात्र/छात्राओं एवं संकाय सदस्यों के साथ किया संवाद

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार यादव ने बताया कि आज डा0 संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक, तिलहन, दलहन एवं बीज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग में एक शोध छात्रा की ओरल काम्प्रेसिव परीक्षा लेने के बाद विश्वविद्यालय के समस्त परास्नातक एवं शोध छात्रों के साथ कृषि संकाय के संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षो, अधिष्ठाताओं के साथ परिचर्चा में कृषि क्षेत्र में की जा रही विभिन्न

प्रकार की नमोन्मेशी योजनाओं के साथ कृषि के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे उत्पादन एवं उनके लिए किये गये अनुसंधान कार्यों के बारे संवाद किया। डा0 संजीव गुप्ता जो देश के जाने माने दलहन के वैज्ञानिक भी हैं के द्वारा कृषि क्षेत्र में डिजिटलाईजेशन, ए0आई0, ऊर्जा के नए स्त्रोत, जीन एडिटिंग आदि क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। अभी हाल ही में जिनोम एडिटिग द्वारा धान की 02 प्रजातियों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित किया गया है। इस तकनीकी द्वारा धान की प्रजाति विकसित करने वाला भारत प्रथम देश बन गया है। जिनोम एडिटिंग द्वारा धान की डी0आर0आर0 100 (कमला) जो सांवा महसूरी प्रजाति के जिनोम में परिवर्तन कर विकसित की गयी है। यह प्रजाति इस विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई डा0 सतेन्द्र जो भारतीय चावल अनुसंधान हैदराबाद में कार्य कर रहे है। के द्वारा विकसित किया है। यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। शोध छात्रो एवं संकाय संदस्यो को इसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस प्रजाति से अपनी मात्र प्रजाति सावा महसूरी से 19 प्रतिशत अधिक उत्पादन एवं 15 दिन कम में पककर तैयार हो जाने के कारण इससे गेहूँ-धान फसल चक की उत्पादकता बढ़ने की सम्भावना अच्छी है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार यादव द्वारा मुख्य अतिथि डा0 संजीव गुप्ता जी का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं शाल पहनाकर किया गया। कार्यक्रम संचालन डा0 श्वेता द्वारा तथा धन्यवाद डा0 सी0एल0 मोर्य, अधिष्ठाता कृषि द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डा0 सर्वेन्द्र कुमार, डा0 महक सिंह, डा0 मुकेश श्रीवास्तव, डा0 कौशल कुमार, डा0 सर्वेश कुमार, डा0 मो0 सिद्दकी एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यो के साथ 180 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दैनिक
आज का कानपुर

सीएसए में आईसीएआर के सहायक महानिदेशक ने छात्र/छात्राओं एवं संकाय सदस्यों के साथ किया संवाद

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार यादव ने बताया कि आज डा0 संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक, तिलहन, दलहन एवं बीज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग में एक शोध छात्रा की ओरल काम्प्रेसिव परीक्षा लेने के बाद विश्वविद्यालय के समस्त परास्नातक एवं शोध छात्रों के साथ कृषि संकाय के संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षो, अधिष्ठाताओं के साथ परिचर्चा में कृषि क्षेत्र में की जा रही विभिन्न प्रकार की नमोन्मेशी योजनाओं के साथ कृषि के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे उत्पादन एवं उनके लिए किये गये अनुसंधान कार्यों के बारे संवाद किया। डा0 संजीव गुप्ता जो देश के जाने माने दलहन के वैज्ञानिक भी हैं के द्वारा कृषि क्षेत्र में डिजिटलाईजेशन, ए0आई0, ऊर्जा के नए स्त्रोत, जीन एडिटिंग आदि क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यो पर विस्तृत चर्चा की। अभी हाल ही में जिनोम एडिटिग द्वारा धान की 02 प्रजातियों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित किया गया है। इस तकनीकी द्वारा धान की प्रजाति विकसित करने वाला भारत प्रथम देश बन गया है। जिनोम एडिटिंग द्वारा धान की डी0आर0आर0 100 (कमला) जो सांवा महसूरी प्रजाति के जिनोम में परिवर्तन कर विकसित की गयी है। यह प्रजाति इस विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई डा0 सतेन्द्र जो भारतीय चावल अनुसंधान हैदराबाद में कार्य कर रहे है। के द्वारा विकसित किया है। यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। शोध छात्रो एवं संकाय संदस्यो को इसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस प्रजाति से अपनी मात्र प्रजाति सावा महसूरी से 19 प्रतिशत अधिक उत्पादन एवं 15 दिन कम में पककर तैयार हो जाने के कारण इससे गेहूँ-धान फसल चक की उत्पादकता बढ़ने की सम्भावना अच्छी है।वर्तमान में बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण को कम करने की दिशा मे ब्राजील की वैज्ञानिक डा0 मेरियागेला होंगिरिया द्वारा बीजो का बायोलॉजिकल सीड्स ट्रीटमेन्ट पर विशेष संवाद करते हुए बताया कि इस वर्ष इनके कार्यो के लिए वर्ड फूड प्राइज दिया गया। इन्होने ब्राजील में 40 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्रफल पर बायोलॉजिकल बीजोउपचार द्वारा लगभग 40 मिलियन डॉलर जो कृषि रसायनो पर खर्च किया जाता था। कि बचत पर मृदा स्वास्थ, पर्यावरण अनुकूल उत्पादन की दशा में अति प्रसंशनीय कार्य किया है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डा0 विजय कुमार यादव द्वारा मुख्य अतिथि डा0 संजीव गुप्ता जी का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं शाल पहनाकर किया गया। कार्यक्रम संचालन डा0 श्वेता द्वारा तथा धन्यवाद डा0 सी0एल0 मोर्य, अधिष्ठाता कृषि द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डा0 सर्वेन्द्र कुमार, डा0 महक सिंह, डा0 मुकेश श्रीवास्तव, डा0 कौशल कुमार, डा0 सर्वेश कुमार, डा0 मो0 सिद्दकी एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यो के साथ 180 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।